UP BOARD EXAM 2023

Economics Model Paper

समय : 3 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

नोट: प्रश्न संख्या 1 से 10 तक बहुविकल्पीय प्रश्न है, प्रश्न संख्या 11 से 18 (शब्द सीमा 25) तक अतिलघु उत्तरीय प्रश्न है, प्रश्न संख्या 19 से 24 तक लघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 150) है और 25 से 27 तक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न है (शब्द सीमा 300).

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. दुर्लभ साधनों के ----------प्रयोग होते है । (1)

क) वैकल्पिक

ख) सीमित

ग) निश्चित

घ) शून्य

2. जब मांग वक्र क्षैतिज होता है तब माग की लोच होती है - (1)

क) शुन्य

ख) अनंत

ग) इकाई के बराबर

घ) इकाई से कम

3. आगत प्राप्त करने के लिए एक फर्म द्वारा किया जाने वाला व्यय कहलाता है - (1)

क) लाभ

ख) लागत

ग) आगम

घ) उत्पादन

4. अल्पकाल में निर्गत (उत्पादन) में इकाई वृद्धि होने पर परिवर्तनशील लागत में होने वाली वृद्धि को ----- कहते है । (1)

क) औसत परिवर्तनशील लागत

ख) औसत स्थिर लागत

ग) औसत लागत

घ) सीमान्त लागत

5. निम्नलिखित में से कौन सा पूर्ण प्रतियोगिता ला लक्षण नहीं है ? (1)

क) क्रेताओं की अधिक संख्या

ख) समरूप वस्तुएं

ग) कीमत विभेद

घ) विक्रेताओं की अधिक संख्या

6. निम्नलिखित में से किसे पूंजीगत वस्तुओं में शामिल किया जाता है? (1)

क) टेलीविजन सेट

ख) स्टील की चादर

ग) चाय पत्ती

घ) उपकरण

THE ECONOMICS GURU
RATION | KNOWLEDGE

7. निम्नलिखित में से सही उत्तर का चयन कीजिये ।

(1)

क) NNP = GDP + DEPRECIATION

ख) NNP = GDP – NFIA – DEPRECIATION

ग) NNP = GDP + NFIA - DEPRECIATION

घ) NNP = GDP – NFIA + DEPRECIATION

8. आय में इकाई वृद्धि होने पर उपभोग में होने वाली वृद्धि को कहते है

(1)

क) स्वतंत्र उपभोग

ख) औसत उपभोग प्रवृत्ति

ग) सीमांत उपभोग प्रवृत्ति

घ) अप्रत्याशित उपभोग

9. भारत में ₹500 तथा ₹1000 के नोट का विमुद्रीकरण कब किया गया ?

(1)

क) 2015 में

ख) 2016 में

ग) 2017 में

घ) 2018 में

10. राष्ट्रीय आय की गणना की जाती है - (1)

क) आय विधि द्वारा

ख) व्यय विधि द्वारा

ग) उत्पाद विधि द्वारा

घ) इनमें से सभी द्वारा

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

11. मांग वक्र किसे कहते है ? **(3)**

उत्तर:- वस्तु की विभिन्न कीमतों पर उसकी मांगी जाने वाली मात्रा को दर्शाने वाला वक्र मांग वक्र कहलाता है ।

12.बजट रेखा को परिभषित कीजिये । **(3)**

उत्तर:- बजट रेखा / कीमत रेखा दो वस्तुओं के उन विभिन्न संयोगों को व्यक्त काफ्ती है जो उपभोक्ता अपनी दी हुई आय एवं वस्तुओं की वर्तमान कीमत के अधर पर खरीद सकता है।

बजट रेखा दाई ओर दो कारणों से खिसकता है -

A) उपभोक्ताओं की आय में परिवर्तन होने पर

B) वस्तु की कीमत में परिवर्तन होने पर

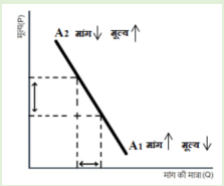

13.उत्पादन फलन किसे कहते है ? **(3)**

उत्तर:- उत्पादन के साधनों एवं उत्पादन मात्रा के बीच फलनात्मक संबंध को उत्पादन फलन कहते है।

X = f (a, b, c, ...n)

यहाँ, X - उत्पादन की मात्रा, a, b और c उत्पत्ति के साधन है ।

14.उत्पादन की स्थिर लागत से आप क्या समझते है ? **(3)**

उत्तर:- उत्पत्ति के स्थिर साधनों को खरीदने या भाड़े पर लेने के लिए जो व्यय किये जाते है उसे स्थिर लागत कहते है । उत्पादन के बढ़ने या घटने का स्थिर लागत पर कोई प्रभाव नहीं पढ़ता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION INFORMATION TECHNOLOGY

15.पूर्ण प्रतियोगिता को कोई तीन विशेषताओं को लिखिए । **(3)**

उत्तर:- पूर्ण प्रतियोगिता की विशेषताएं -

1. क्रेताओं और विक्रेताओं की अधिक संख्या - इस बाजार में क्रेताओं और विक्रेताओं की संख्या अधिक होती है ।
2. क्रेताओं और विक्रेताओं को बाजार की दशों का पूर्ण ज्ञान होता है ।
3. नई फर्मों का प्रवेश एवं पुराने फर्मों का निष्कासन पूर्णत: स्वतन्त्र होता है ।

16.निजी वस्तु किसे कहते है ? **(3)**

उत्तर:- वह वस्तुएं जिनका प्रयोग केवल निजी व्यक्तियों के द्वारा निजी प्रयोग हेतु ही होता है उसे निजी वस्तु कहते है । ऐसी वस्तु का प्रयोग केवल उस वस्तु पर अधिकार रखने वाला ही कर सकता है ।

जैसे : निजी मोटर कार, मोबाइल, कपडे आदि।

17.बजट का अर्थ लिखिए । **(3)**

उत्तर:- एक देश के सरकार के एक वित्तीय वर्ष के लिए उसके समस्त आनुमानित आयों (प्राप्तियों) एवं आनुमानित व्यय का विवरण है । सरकार द्वारा बजट आगामी वित्तोया वर्ष के लिए तैयर किया जाता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

18.भुगतान शेष / संतुलन से क्या तात्पर्य होता है ? **(3)**

उत्तर:- भुगतान संतुलन एक देश का दुसरे देश के साथ एक निश्चित अवधि में किये गए आर्थिक लेन देन या प्राप्तियों व भुगतानों का विवरण होता है ।

इसके अंतर्गत सभी प्रकार के द्रश्य, अद्दश्य एवं अन्य पूंजीगत मदों को शामिल किया जाता है ।

लघु उत्तरीय प्रश्न

19.सामान्य वस्तुओं और निकृष्ट वस्तुओं में अंतर सपष्ट कीजिये । (6)

उत्तर:- सामान्य वस्तुओं और निकृष्ट वस्तुओं में अंतर

सामान्य वस्तुएं	निकृष्ट वस्तुए
वे वस्तुये जिनकी मांग आय में वृद्धि के साथ बढ़ जाती है उन्हें सामान्य वस्तु कहते है ।	वे वस्तुएं जिनकी मांग उपभोक्ता की आय बढ़ने से घट जाती है उन्हें घटिया वस्तु कहते है ।
सामान्य वस्तुओं की स्थिति में आय प्रभाव धनात्मक होता है ।	घटिया वस्तुओं के सन्दर्भ में आय प्रभाव ऋणात्मक होता है ।
आय और सामान्य वस्तुओं की मांग के मध्य प्रत्यक्ष सम्बन्ध होता है ।	आय और घटिया वस्तुओं के बिच विपरीत सम्बन्ध होता है ।
उदाहरण:- LED टीवी एक सामान्य वस्तु है।	उदाहरण:- B/W टीवी एक घटिया वस्तु है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION INSPIRES ALL KNOWLEDGE

20.पैमाने के प्रतिफल से आप क्या समझते है? (6)

उत्तर:- **पैमाने के प्रतिफल का अर्थ** - पैमाने के प्रतिफल उत्पादन फलन की दीर्घकालीन प्रवृत्ति को सूचित करते हैं । दीर्घकाल में कोई उत्पत्ति का साधन स्थिर नहीं रहता । सभी उत्पत्ति के साधन परिवर्तनशील हो जाते हैं तथा उन्हें आवश्यकतानुसार परिवर्तित भी किया जा सकता है । सभी उत्पत्ति साधनों के परिवर्तनशील होने के कारण उत्पादन का पैमाना परिवर्तित किया जा सकता है ।

पैमाने के प्रतिफल की अवस्थाएँ:-

a. पैमाने के बढ़ते प्रतिफल (Increasing Returns to Scale):

जब सभी उत्पत्ति के साधनों को एक निश्चित अनुपात में बढ़ाया जाता है तब पैमाने के बढ़ते प्रतिफल के अन्तर्गत उत्पादन उस निश्चित अनुपात से अधिक अनुपात में बढ़ जाता है ।

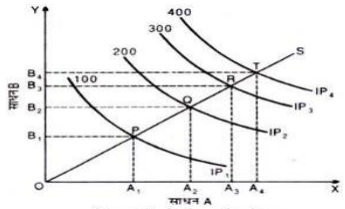

चित्र 1 पैमाने के बढ़ते प्रतिफल

b. पैमाने के स्थिर प्रतिफल (Constant Returns to Scale):

इसके अनुसार यदि उत्पत्ति के समस्त साधनों को एक निश्चित अनुपात में बढ़ाया जाये तो उत्पादन भी उसी निश्चित अनुपात से बढ़ता है। इसी प्रकार जिस अनुपात में उत्पत्ति साधनों में कमी की जाती है, ठीक उसी अनुपात में उत्पादन में भी कमी हो जाती है ।

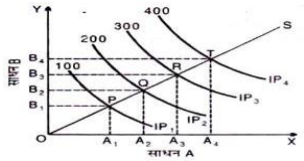

चित्र 2 पैमाने के स्थिर प्रतिफल

c. पैमाने के ह्रासमान प्रतिफल (Decreasing Returns to Scale):

इसके अनुपात उत्पत्ति के साधनों को जिस अनुपात में बढ़ाया जाता है उससे कम अनुपात में उत्पादन में वृद्धि होती है ।

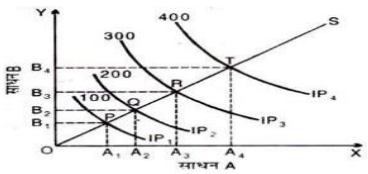

चित्र 3 पैमाने के घटते प्रतिफल

21.सीमांत लागत का अर्थ लिखिए । **(6)**

उत्तर:- एक अतिरेक इकाई का जुत्पदन करने की अतिरिक्त लागत को सीमांत लागत कहते है । दुसरे शब्दों में सीमांत कागत एक और इकाई की वृद्धि के कारण कुल लागत में होने वाली वृद्धि को कहते है । उदाहरण के लिए यदि 10 वस्तुओं की उत्पादन लागत ₹10 और 11 वस्तुओं की उत्पादन लागत ₹12 हो तो सीमांत लागत (12 - 10) ₹2 होगी ।

सीमांत लागत को निम्न सूत्र द्वारा ज्ञात किया जा सकता है :-

$MC = TCn - TCn\text{-}1$

$MC = \Delta TC / \Delta Q$

यहाँ,

MC - सीमांत लागत

TCn - n मात्रा की कुल लागत

TCn-1 - n-1 इकाइयों की कुल लागत

ΔTC - कुल लागत में परिवर्तन

ΔQ - मात्रा में परिवर्तन

22.उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति क्या है ? **(6)**

उत्तर:- आय में होने वाले परिवर्तन के कारण उओभोग में होने वाले परिवर्तन के बीच के आनुपतिक सम्बन्ध को उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति अथवा सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) कहते है ।

अर्थात सीमांत उपभोग प्रवृत्ति से ज्ञात होता है की आय में परिवतन होने से उपभोग की मात्रा मे कितना परिवर्तन हुआ है ।

यहाँ, $MPC = \Delta C / \Delta Y$

MPC - सीमांत उपभोग प्रवृत्ति

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

ΔC - उपभोग में परिवर्तन

ΔY - आय में परिवर्तन

23.सरकारी बजट के उद्देश्यों को संक्षेप में समझाइए । (6)

उत्तर:- सरकारी बजट के उद्देश्य :-

1. आर्थिक विकास को प्रोत्साहन - सरकारी बजट का प्रमुख उद्देश्य होता है देश की आर्थिक विकास की गति को बढ़ाना।
2. संतुलित क्षेत्रीय विकास- बजट का उद्देश्य होता है संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देते हुए पिछड़े हुए क्षेत्रो का विकास करना होता है ।
3. आय और संपत्ति का पुनर्वितरण - अर्थव्यवस्था में पाई जाने वाली असमानताओं को कम करने के लिए बजट द्वारा उपाय किये जाते है । जैसे, उच्च आय वाले लोगो पर अधिक टैक्स लगाना एवं निम्न आय वाले लोगो पर टैक्स कम करना या शुन्य करना ।
4. आर्थिक स्थिरता - अर्थव्यवस्था में तेजी एवं मंदी के चक्र चलते रहते है जिसे नियंत्रित करके अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाना भी बजट का एक प्रमुख उद्देश्य होता है । बजट में ही देश में आने वाले स्फीति एवं अवस्फीति से निपटने के लिए उपाय किये जाते है ।
5. रोजगार का सृजन - बजट के द्वारा ही सरकार में देश में नए रोजगार के सृजन करने के अवसर लाती है । इसके लिए सरकारी सरकारी निर्माण कर्यों पर जोर देती है, विभिन्न रोजगार को बढाने वाले योजनाओं को शुरू करती है ।

24.लोचशील विनिमय दर से आपका क्या आशय है ? **(6)**

उत्तर:- लोचशील विनिमय दर प्रणाली में विनिमय दर विदेशी मुद्रा बाजार में विदेशी मुद्रा की मांग और पूर्ति द्वारा निर्धारित होती है तथा मांग और पूर्ति में परिवर्तन के साथ बदलती रहती है । अत: इसे तैरती विनिमय दर कहते है।

अत: इसे हम इस प्रकार भी बता सकते है -

$$R = f(D, S)$$

R = विनिमय दर

D = विदेशी विनिमय के मांग

S = विदेशी विनिमय की पूर्ति

जिस विनिमय दर पर विदेशी मुद्रा की मांग उसकी पूर्ति के बराबर हो जाये, उसे समता दर कहते है और यह ही सामान्य दर या संतुलित दर होती है ।

विनिमय दर के गुण-

1. यह एक सरल प्रणाली है ।
2. लोचदार विनिमय दरों में सतत समायोजन की गुंजाईश बनी रहती है ।
3. संसाधनों का कुशलतम उपयोग होता है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

25.समग्र मांग का अर्थ एवं इसके अवयवों को संक्षेप में समझाइये । (10)

उत्तर:- समग्र मांग :- एक अर्थव्यवस्था में वस्तुओं और वस्तुओं की सम्पूर्ण मांग को ही सामूहिक मांग कहते है । यह अर्थव्यवस्था के कुल व्यय के रूप में व्यक्त की जाती है ।

कीन्स के अनुसार सामूहिक मांग का अर्थ उस आय से लिया जाता है जो सभी फर्में (उत्पादक) एक निर्दिष्ट रोजगार स्तर पर अपनी वस्तुओं को बेचकर प्राप्त करने की आशा करती है या यह वह कुल व्यय है जो देश के सभी उपभोक्ता वस्तुओं और सेवाओं की खरीदने के लिए करते है।

इस प्रकार ,

सामूहिक मांग = उपभोग व्यय + विनियोग व्यय

AD = C + I

सामूहिक मांग की विशेषताएं :-

1. **वस्तुओं और सेवाओं की मांग दो उद्देश्यों से की जाती है - उपभोग के लिए एवं विनियोग के लिए ।**
2. **व्यय के अंतर्गत निजी उपभोग और सार्वजानिक उपभोग शामिल रहता है ।**
3. **विनियोग की मांग भी निजी व्यक्तियों तथा सरकार द्वारा की जाती है ।**
4. **सामूहिक मांग कुल उपभोग तथा विनियोग के जोड़ को कहते है ।**

उदाहरण:-

आय (Y)	उपभोग (C)	विनियोग (I)	सामूहिक मांग (AD = C+I)
0	20	20	40
20	30	20	50
40	40	20	60
60	50	20	70
80	60	20	80
100	70	20	90

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

120	80	20	100
140	90	20	110

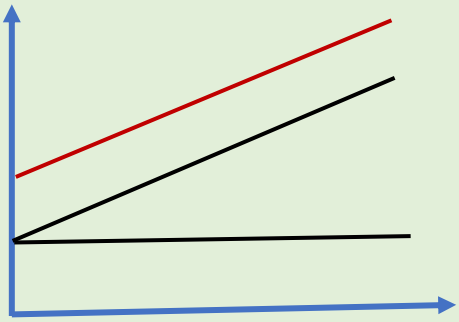

सामूहिक मांग के अवयव :-

1. बंद अर्थव्यवस्था में -

$$AD = C + I$$

(समग्र मांग = उपभोग + विनियोग)

2. खुली अर्थव्यस्था में -

$$AD = C + I + G + (X-M)$$

C - निजी उपभोग व्यय

I - निजी एवं सार्वजानिक निवेश

G - सरकारी व्यय

X-M - शुद्ध निर्यात (निर्यात - आयत)

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अथवा

प्रश्न:-

आय और उत्पादन पर समग्र मांग में परिवर्तन के प्रभाव की व्याख्या कीजिये । **(10)**

उत्तर:- समग्र मांग में परिवर्तन का आय तथा उत्पादन पर प्रभाव - आय का संतुलन स्तर समग्र मांग पर निर्भर करता है । अत: यह समग्र मांग में परिवर्तन होता है, तो आय का संतुलित स्तर भी परिवर्तित होता है । यह निम्नलिखित में से किसी एक या अधिक परिस्थितियों में हो सकता है-

1. **उपभोग में परिवर्तन** - यह स्वायत्त उपभोग ($\bar{C}$) में परिवर्तन या उपभोग (C) में परिवर्तन के कारण हो सकता है ।
2. **निवेश में परिवर्तन** - निवेश स्वतंत्र है । यद्धपि इसका अर्थ केवल इतना है कि यह आय के स्तर पर निर्भर नहीं करता । आय के अतिरिक्त भी ऐसे बहुत से चर है, जो निवेश स्तर को प्रभावित कर सकते है ।

   उदाहरण की सहायत से, निवेश में परिवर्तन को ज्ञात किया जा सकता है -

   मान लीजिये, $C = 40 + 0.8Y$, $I = 10$

   इस स्थिति में, संतुलित आय (समीकरण से) 250 होगी-

   $Y = C + I = 40 + 0.8Y + 10$, ताकि $Y = 1/\ 1-0.8 \times 50 = 250$

   अब, मान लीजिये की निवेश बढ़कर 20 हो जाता है । ऐसा करने पर नई संतुलित आय 300 होगी । इसे ग्राफ में भी देखा जा सकता है । आय में यह वृद्धि निवेश में वृद्धि के कारण होती है, जोकि यहाँ स्वतन्त्र व्यय का एक अवयव है ।

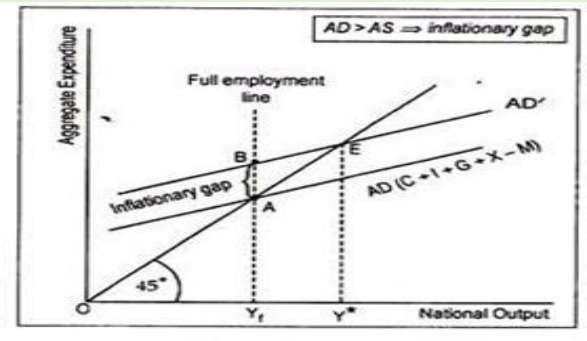

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

26.राष्ट्रीय आय को मापने की व्यय विधि की विवेचना कीजिये । (10)

उत्तर:- राष्ट्रीय आय को मापने की व्यय विधि-

व्यय विधि द्वारा राष्ट्रीय आय की गणना निम्नलिखित चरणों में की जाती है -

1. पहला चरण :- बाजार कीमत पर एक वर्ष में किये जाने वाले निम्नलिखित तथ्यों को जोड़कर सकल घरेलु उटाद ज्ञात किया जाता है -

   GDPmp = निजी अंतिम उपभोग व्यय (C) + सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (G) + सकल घरेलू स्थिर पूंजी निर्माण (I) + स्टॉक में परिवर्तन (S) + शुद्ध निर्यात (X-M)

2. दूसरा चरण :- बाजार कीमत पर सकल घरेलु उत्पाद में से शुद्ध अप्रत्यक्ष कर तथा मूल्यह्रास को घटाकर शुद्ध घरेलु आय की जाती है ।

   NDPfc = GDPmp - शुद्ध अप्रत्यक्ष कर - मूल्यह्रास

3. तीसरा चरण :- शुद्ध घरेलू आय में विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय जोड़कर राष्ट्रीय आय ज्ञात की जाती है ।

   NNPfc = NDPfc + विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय (NFIA)

व्यय विधि वस्तुओं तथा सेवाओं के प्रवाह के सम्बन्ध में इन तथ्यों को मापने का प्रयास करती है -

1. निजी उपभोग के लिए वस्तुओं तथा सेवाओं का प्रवाह
2. सरकारी उपभोग के लिये प्रवाह
3. सकल घरेलू स्थिर पूंजी निर्माण के लिए प्रवाह
4. माल सूची के लिए प्रवाह
5. शुद्ध निर्यात के लिए प्रवाह

THE ECONOMICS GURU
EDUCATIONAL PLATFORM & KNOWLEDGE

अथवा

प्रश्न:-

निम्नलिखित को समझाइए ---- **(5+5)**

A) साधन लागत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद

B) वैयक्तिक आय

उत्तर:- a) साधन लागत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद :- साधन लागत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद को ही राष्ट्रीय आय कहते है । यह देश के नागरिकों के द्वारा अर्जित सभी साधन आयों जैसे - मजदूरी, लगान, ब्याज और लाभ के रूप में उत्पादन के साधनों को दिए जाने वाले भुगतानों को बताती है । संक्षेप में, समस्त साधन भुगतानों के योग को ही राष्ट्रीय आय कहते है ।

अर्थात,

राष्ट्रीय आय = लगान + मजदूरी + वेतन + ब्याज + लाभ + स्वरोजगारों की मिश्रित आय

उत्तर b):- वैयक्तिक आय:- व्यक्तिगत आय से आशय उस आय से है जो किसी देश में एक वर्ष की अवधि में व्यक्तियों अथवा परिवारों द्वारा वास्तविक रूप से प्राप्त होती है ।

इस प्रकार वैयक्तिक आय सदैव राष्ट्रीय आय से कम रहती है क्योंकि राष्ट्रीय आय में से अनेक कटौतियां काटी जाती है तथा इसके बाद जो राशि शेष बचती है, वह वैयक्तिक आय कहलाती है ।

वैयक्तिक आय = राष्ट्रीय आय - निगम कर - अवितरित व्यावसायिक लाभ - सामाजिक सुरक्षा अंशदान + अंतरण भुगतान

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

27. अनाधिमान वक्र की सहायता से उपभोक्ता संतुलन की व्याख्या कीजिए। (10)

उत्तर: एक उपभोक्ता संतुलन की अवस्था में तब होता है जब अपनी सीमित आय की सहायता से वस्तुओं की उनकी दी गई कीमतों पर खरीदकर अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करने में सफल हो जाता है। उपभोक्ता को कीमत रेखा उसकी आय एवं उपभोग वस्तुओं की कीमतों से निर्धारित होती है। इस कीमत रेखा के साथ उपभोक्ता ऊंचे से ऊंचे उदासीनता वक्र तक पहुंचने का प्रयास करता है।

उदासीनता वक्र विश्लेषण में उपभोक्ता के संतुलन की दो शर्ते है -

i) <u>उदासीनता वक्र कीमत रेखा को स्पर्श करें</u> :-

अर्थात मात्रात्मक रूप में X वस्तु की Y वस्तु के लिए प्रतिस्थापन दर X तथा Y वस्तुओं की कीमतों के अनुपात के बराबर होनी चाहिए।

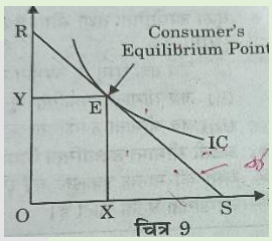

चित्र 9

ii) स्थायी संतुलन के लिए संतुलन बिंदु पर उदासीनता वक्र मूल बिंदु की ओर उन्नतोदार होनी चाहिए। अर्थात संतुलन बिंदू पर MRS घटती हुई होनी चाहिए।

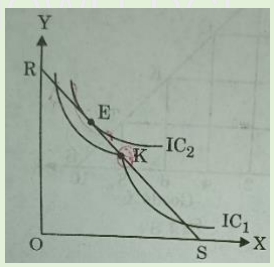

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अथवा

मांग की लोच से आप क्या समझते है ? इसकी विभिन्न श्रेणियों का सचित्र वर्णन कीजिये । **(10)**

उत्तर:- वस्तु की कीमत में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन के कारण वस्तु की मांग की मात्रा में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन के बीच आनुपातिक सम्बन्ध को मांग की कीमत लोच कहा जाता है ।

मांग की लोच की पांच प्रमुख श्रेणियां होती है :-

1. **सापेक्षता लोचदार मांग (Ed > 1)** :- जब वस्तु की कीमत में होने वाले परिवर्तन के फलस्वरूप वस्तु की मांग में उससे अधिक परिवर्तन होता है, तो उसे सापेक्षता लोचदार मांग कहते है ।

   अर्थात,

   वस्तु की कीमत में प्रतिशत परिवर्तन < वस्तु की मांग में प्रतिशत परिवर्तन

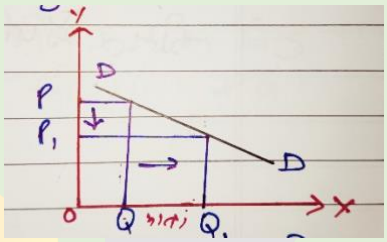

2. **सापेक्षता बेलोचदार मांग (Ed < 1):-** जब वस्तु के कीमत में होने वाले परिवर्तन के फलस्वरूप वस्तु की मांग में उससे कम परिवर्तन होता है, तो उसे सापेक्षता बेलोचदार मांग कहते है ।

   अर्थात,

   वस्तु की कीमत में प्रतिशत परिवर्तन > वस्तु की मांग में प्रतिशत परिवर्तन

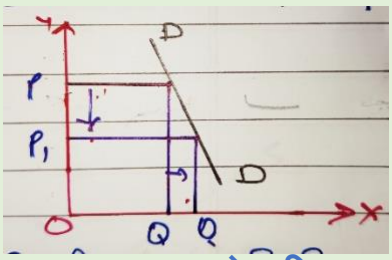

3. **इकाई लोचदार मांग (Ed=1):-** जब वस्तु के कीमत में होने वाले परिवर्तन के समान ही वस्तु की मांग में परिवर्तन होता है, तो उसे इकाई लोचदार मांग कहते है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION IS NOT LIMITED TO KNOWLEDGE

अर्थात,

वस्तु की कीमत में प्रतिशत परिवर्तन = वस्तु की मांग में प्रतिशत परिवर्तन

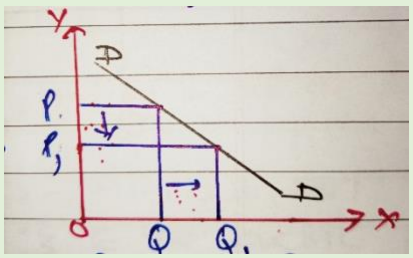

4. **पूर्णत: लोचदार मांग (Ed = infinitive):-** जब वस्तु की कीमत में परिवर्तन न होने या बहुत कम परिवर्तन होने पर भी वस्तु की मांग में अधिक परिवर्तन होता है तो उसे वस्तु की पूर्णतया लोचदार मांग कहते है ।

अर्थात,

इस स्थिति में कीमत में परिवर्तन = 0

मांग में परिवर्तन = अधिक

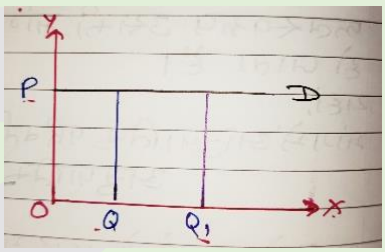

5. **पूर्णत: बेलोचदार मांग :-** वस्तु की कीमत में परिवर्तन होने पर भी जब वस्तु की मांग में कोई परिवर्तन न हो उसे पूर्णतया बेलोचदार मांग कहते है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अर्थात,

इस स्थिति में कीमत में परिवर्तन = अधिक
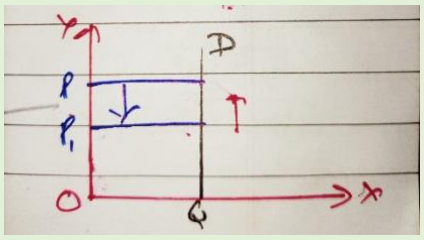
मांग में परिवर्तन = शुन्य